बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
माशाअल्लाहु ला कुव्वता इल्ला बिल्लाह
इन्नललाहा युहीब्बुल मुतवक्किलीन

शिजरा शरीफा तैय्यबा

आलिया नक्शबंदिया मुजद्दिदिया नियाज़िया वज़ीरिया
सैलानिया अरमानिया
मअ पता मरक़द शरीफ

अज़ तरफ बा हसब
हज़रत पीरो मुर्शिद

हाजी मुहम्मद आज़म अहक़र नक्शबंदी

चिश्ती कादरी सुहरवर्दी

खलीफा ए मजाज़

हज़रत पीरो मुर्शिद शाह मुहम्मद सादिक अरमानी

(सज्जादानशीन खानकाहो दरगाह हज़रत मासूम अरमान नक्शबंदी रह.
बालापुर, अकोला महाराष्ट्र |)

शाएकर्दा: मुहम्मद आलम क़ादरी नक्शबंदी
211, सम्राट नगर, अमेज़िंग एंजेल्स पब्लिक स्कूल के नीचे,
खजराना, इंदौर मध्य प्रदेश |
naqshbandiazami@gmail.com

अम्म बाद : फअऊज़ु बिल्लाहि मिनश्शैतान निर्रजीम
बी फ़ज़्लिक : बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अल शिजरतुत तय्यीबातिन असलुहा साबितवं व फ़रऊहा फिस समाई हाज़िही सिलसिलती मिम मशाइखी फिल तरीक़ती अल आलियती अल नक़्शबन्दिया मुजद्दिदीया मज़हरिया सैलानिया अरमानिया

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

दुरूदे लकी शरीफ
अल्लाहुम्मा सल्ले अला मुहम्मदीन बिअददे कुल्ली मालुमिल लका | व अला आली सय्यिदेना मुहम्मदिव व बारिक व सल्लिम | सलातऊँ व सलामन अलैका या रसूलल्लाह सल्लल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम |
(3 मर्तबा)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अस्तग़फार शरीफ
अस्तग़फिरुल्लाही रब्बी मिन कुल्ली ज़म्बिउं व अतूबू इलैह ला हवला वला कुव्वता इल्ला बिल्लाहिल अलिय्युल अज़ीम |
(3 मर्तबा)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
अला इन्ना औलियाअल्लाहि ला खौफ़ुन अलैहिम वलाहुम यहज़नून |

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
या अल्लाहु जल्लाजलालहु व जल्लाशानहु
या हुज़ूरे अकरम मुहम्मदुर्रसूलल्लाही सल्लल्लाहु तआला अलैहि व आलिहि व सल्लम
या हज़रत अली मुश्किल कुशा ए आज़म कर्रमल्लाहु वजहुल करीम
या हज़रते बीबी फातिमा तुज़ ज़ेहरा रज़ियल्लाहु अन्हा
या इमाम हसन इब्ने अली रज़ियल्लाहु अन्हु
या इमाम हुसैन अशरफुश शहादत इब्ने अली रज़ियल्लाहु अन्हु

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
दुरूदे लकी शरीफ (३ मर्तबा)
बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
अशहदु अल्लाइलाहा इल्लल्लाहु वह्दहू ला शरीक़ा लहू व अशहदु अन्न मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहु

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
दुरूदे लकी शरीफ (३ मर्तबा)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
या हज़रत अबूबकर सिद्दीक़े आज़म रज़ियल्लाहु अन्हु
या हज़रत उमर फ़ारूक़े आज़म रज़ियल्लाहु अन्हु
या हज़रत उस्मान गनी ए आज़म रज़ियल्लाहु अन्हु
या हज़रत अली मुश्किल कुशा ए आज़म कर्रमल्लाहु वजहुल करीम

शजरा ए आलिया नक्शबंदिया
मुजद्दिदिया नियाज़िया वज़ीरिया सैलानिया अरमानिया

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
अल्लाहुम्मा सल्ले अला सय्यिदिना मुहम्मदिन बे अददी कुल्ली मालूमीललका व अला आली सैय्यदीना मुहम्मदीव व बारिक व सल्लिम | सलातऊँ व सलामन अलैका या रसूलल्लाही सल्लल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम |

या इलाही अपनी ज़ाते किबरिया के वास्ते।

बख्श दे मुझको मुहम्मद मुस्तुफा के वास्ते ।1।

या इलाही अपनी उल्फत में मुझे सरशार रख।

हज़रते सिद्दीके अकबर बा सफा के वास्ते ।2|

या इलाही खोल दे दिल पर मेरे राज़े निहाँ।

हज़रते सलमाने फारस रहनुमा के वास्ते ।3|

या इलाही जल्द दिखला दे मुझे राहे सुलूक़।

उस इमामे क़ासिमे पीरे हुदा के वास्ते ।4|

या इलाही मुझको तू कर दुनिया में तक़वा नसीब।

हज़रते जाफ़र इमामे अतकिया के वास्ते ।5|

या इलाही जुमला अहलुल्लाह में हो मेरा शुमार।

बायज़ीदे हादीए नुरुल हुदा के वास्ते ।6|

या इलाही इल्मे बातिन मेरे दिल को कर अता।

बुलहसन ख़िरकानिये बदरुददुजा के वास्ते ।7|

या इलाही दीने हक़ पर मुझको रख साबित क़दम।

उस वलिए बूअली ए पेशवा के वास्ते ।8|

या इलाही नफ़्स की बदियों से ले मुझको बचा।

युसुफे हमदानी शाहे बेरिया के वास्ते ।9|

या इलाही दो जहाँ की आरज़ू होवे क़ुबूल।

अब्दे ख़ालिक़ ग़ज़्दवानी मुक़्तदा के वास्ते ।10।

या इलाही नेक बंदों में मेरा होवे शुमार।

उस वली आरिफ मुहम्मद बा सफा के वास्ते ।11।

या इलाही हश्र के मेदाँ में रखना आबरू।

ख्वाजा ए महमूद खैरुल औलिया के वास्ते ।12।

या इलाही तेरी मर्ज़ी में रहूँ राज़ी मुदाम।

उस अज़ीज़ा रएमतीनी बा रज़ा के वास्ते ।13।

या इलाही हम्द की तौफ़ीक़ अपनी दे मुझे।

हज़रते बाबा समासी बा सना के वास्ते ।14।

या इलाही क़ल्ब से मेरे वसवसे सब दूर कर।

सैय्यदे मीरे कुलाले बा ख़ुदा के वास्ते ।15।

या इलाही दिल को रागिब कर तरीक़ए नक़्शबन्द।

शह बहाउद्दीन मुहम्मद हक़नुमाँ के वास्ते ।16।

या इलाही दर्दे दिल को अपनी दारू दे मुझे।

उस अलाउद्दीन अत्तारे अता के वास्ते ।17।

या इलाही इल्मे दीं पर हो अमल मेरा सदा।

फ़ाज़िले याक़ूब चरखी पारसा के वास्ते ।18।

या इलाही मारिफ़त दे क़ल्ब को मेरे सिवा।

उस उबैद अहरार मुर्शिद ज़ाहिदा के वास्ते ।19।

या इलाही मुझको तू परहेज़गारी कर अता।

आबिदो ज़ाहिद वलिए मावरा के वास्ते ।20।

या इलाही खोल दे अनवारे ग़ैबी अब तमाम।

मुझपे दुरवेशे मुहम्मद बानवा के वास्ते ।21।

या इलाही मुझमे कर तू सिफते मलकूतिया।

ख्वाजा ए अमगंगई हादी हुदा के वास्ते ।22|

या इलाही इश्क़ में तेरे हो जाऊं मैं फना।

ख्वाजा ए बाक़ी बिल्लाह बा बक़ा के वास्ते ।23|

या इलाही दे दिखा मुझको सिराते मुस्तक़ीम।

शाह मुजद्दीद अल्फ़सानी ज़ुल अता के वास्ते ।24|

या इलाही पाक कर दे सब गुनाहों से मुझे।

सैय्यदे मासूम मुर्शिद मा लका के वास्ते ।25|

या इलाही दे ज़ुबाँ को मेरी अब तासीर तू।

शेख सैफ़ुद्दीन मक़बूलुद्दुआ के वास्ते ।26|

या इलाही नूर से सीना मेरा मामूर कर।

आशिके नूरे मुहम्मद पेशवा के वास्ते ।27|

या इलाही इश्क़ में तेरे हो जाऊं मैं शहीद।

मिर्ज़ा मज़हर जानेजानाँ मुक़्तदा के वास्ते ।28|

या इलाही नफ़्से शैताँ से मुझे देना अमाँ।

उस नईमुल्लाह मुर्शिद पुरज़िया के वास्ते ।29|

या इलाही दे मुरादें दीनो दुनिया की मुझे।

बस के मौलाना मुरादुल्लाह शाह के वास्ते ।30|

या इलाही नेकियों की दे मुझे तौफ़ीक़ तू।

बुलहसन सय्यद सईदे ख़ुशअदा के वास्ते ।31|

या इलाही शौक़ अपना दे मुझे हरबार तू।

नियाज़ अली शाह पीरे जद्दी पेशवा के वास्ते ।32|

या इलाही साफ कर सीना मेरा हर चीज़ से।

सूफी ए साफी वज़ीरे पुरज़िया के वास्ते ।33|

या इलाही राह हिदायत जल्द दिखला दे मुझे |
हाजी अब्दुल्लाह मुर्शिद रहनुमा के वास्ते |34|

या इलाही ख़्वाहिशाते नफ़्स मुझसे दूर कर |
शाह खैरुद्दीन मुजर्रद औलिया के वास्ते |35|

या इलाही कर मुशर्रफ दीद से बन्दे को तू |
अब्दुर्रहमान हाजी सैलानी पिया के वास्ते |36|

या इलाही आरज़ू है देख लूँ रूए नबी |
शाह मासूम बहरे अरमाने हुदा के वास्ते |37|

या इलाही पाक हो सब ज़ाहिरो बातिन मेरा |
शाह शरफुद्दीन अब्दाल बेरिया के वास्ते |38|

या इलाही दो जहाँ की आरज़ू होवे क़ुबूल |
ऐनुद्दीन आरिफ अली रहनुमा के वास्ते |39|

या इलाही रूबरू क़ायम रहे सादिक़ मेरे |
शाह सादिक़ सानीए हक़ बासफा के वास्ते |40|

या इलाही दिल में क़ायम कर तेरी हम्दो सना |
शाह आज़म अह्क़रे मुर्शिद हुदा के वास्ते |41|

या इलाही तेरा आज़म शाह अहक़र मुल्तजी|
सब बुज़ुर्गो को शफी लाया दुआ के वास्ते |42|

या इलाही अब तो दामन मैंने पकड़ा आनके।
दे मुझे शौके लका उन बा ख़ुदा के वास्ते ।43|

या इलाही सब बुज़ुर्गो के तसद्दुक में वहाँ।
हश्र में खुल जाए जन्नत मुझ गदा के वास्ते ।44|

सल्लल्लाहु तआला अला ख़ैरि ख़लकीही व नूरी अरशिहि अफ़ज़लिल अम्बियाई वल मुरसलीना व सय्यिदिना सनदीना शफ़ीईना व हबीबीना व नबिय्येना व मौलाना मुहम्मदीऊँ व अला आलिहि व असहाबिहि व अज़्वाजिहि व ज़ुर्रियातिहि व अहले बैतिहि व अहबाबिहि व अरवाही तैय्येबातुन नक्शबंदियातिहि अजमईन |

बिरहमतिका या अरहमर राहीमीन |

तरीक़ा ऐ फातिहा

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

दुरूदे लकी शरीफ (3 मर्तबा)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

ला यस्तवी असहाबुन्नारी व असहाबुल जन्नह, असहाबुल जन्नती हुमुल फ़ाइज़ून | लव अन्ज़लना हाज़ल क़ुरआना अला जब्लिल लर अयतहू खाशिअम मुतसद्दिअम मिन खश्यतिल्लाह | व तिल्कल अम्सालू नदरीबुहा लिन्नासी लाअल्लाहुम यतफक्करून | हुवल लाहुल लज़ी लाईलाहा इल्लाहु, आलिमुल ग़ैबी वश शहादती हूवर रह्मानुर्रहीम |

हुवल लाहुल लज़ी लाईलाहा इल्लाहु, अल मलिकुल क़ुद्दुसुस सलामुल मुअमिनुल मुहयमिनुल अज़ीज़ुल जब्बारुल मुतकब्बिर, सुबहानल्लाही अम्मा युशरीकून | हुवल्लाहुल खालिकुल बारीउल मुसव्विरू लहुल अस्माउल हुस्ना युसब्बिहू लहू मा फिस समावाती व मा फिल अर्द, व हुवल अज़ीज़ुल हकीम |

सुरह काफिरून (1 मर्तबा)

बिस्मिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

कुल या अय्युहल काफिरून | ला अ अबुदु मा ताबुदून | वला अन्तुम आबिदूना मा अ अबुद |वला ना आबिदुम मा अबद्तुम | वला अन्तुम आबिदूना मा अअ बुद | लकुम दीनुकुम वलिय दीन |

सुरह इख्लास (3 मर्तबा)

बिस्मिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

कुल हुवल लाहू अहद | अल्लाहुस समद | लम यलिद वलम यूलद | वलम यकूल लहू कुफुवन अहद |

सुरह फ़लक (1 मर्तबा)

बिस्मिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

कुल आऊजु बिरब्बिल फलक | मिन शररी मा ख़लक़ | वामिन शररी ग़ासिकिन इज़ा वकब | वामिन शररिन नफ़ासती फ़िल उक़द | वामिन शररी हासिदिन इज़ा हसद |

सुरह नास (1 मर्तबा)

बिस्मिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

कुल अऊजु बिरब बिन नास | मलिकिन नास | इलाहिन नास | मिन शररिल वसवासिल खन्नास |अल्लज़ी युवसविसु फी सुदूरिन नास | मिनल जिन्नाति वन नास |

सुरह फातिहा (1 मर्तबा)

बिस्मिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

अल्हम्दुलिल्लहि रब्बिल आलमीन | अर रहमानिर रहीम | मालिकि यौमिद्दीन | इय्याक न अबुदु व इय्याका नस्तईन | इहदिनस् सिरातल मुस्तक़ीम | सिरातल लज़ीना अन अमता अलय हिम | गैरिल मग़दूबी अलय हिम् व लद दाल्लीन (आमीन)

बिस्मिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

अलिफ़ लॉम मीम | ज़ालिकल किताबू लारयब फ़ीह हुदल्लिल मुत्तक़ीनल लज़ीना यूमिनूना बिल ग़ैबी व यूक़ीमुनस्सलाता व मिम्मा रज़क़ना हुम युनफिक़ून | वल लज़ीना यूमिनूना बीमा उनज़िला इलैका वमा उनज़िला मिन क़बलिक व बिल आखीरती हुम यूक़ीनून | उलाइका अला हुदम्मिर्रब्बीहिम, व उलाइका हुमुल मुफ़लेहून |

वा इलाहुकुम इलाहु वाहिद ला इलाहा इल्ला हूवर रहमानुर्रहीम | इन्ना रहमतल्लाही क़रीबूम मीनल मुहसिनीन | वमा अर्सलनका इल्ला रहमतल लील आलमीन | माकाना मुहमदुन अबा अहदिम मिररिजालीकुम वलाकिर रसुलल्लाही व ख़ातमन नबीयीन | व कानल्लाहु बिकुल्ली शयइन अलीमा | इन्नल्लाहा व मलाइकतुहु युसल्लूना अलन नबी या अय्युहल लज़ीना आमनु सल्लू अलैहि व सल्लिमु तसलीमा |

अल्लाहुम्मा सल्ले अला सय्येदिना व मौलाना मुहम्मदिव व अला आलि सय्येदिना व मौलाना मुहम्मदिव व बारिक व सल्लिम सलातंव व सलामन अलैका या रसूलुल्लाह |

सुब्हाना रब्बिका रब्बिल इज़्ज़ति अम्मा यसीफ़ून | व सलामुन अलल मुरसलीन | वल्हम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन |

बख्शने का तरीक़ा

अपने दोनों हाथों को उठाकर दुआ करें ऐ अल्लाह तआला हमने जो कुछ पढ़ा है उसमें जान-बूझकर या भूल से जो गलती हुई हो उसको माफ़ फ़रमा कर अपने जनाब में क़ुबूल फ़रमा को अता फ़रमा |

या अल्लाह! जो कुछ पढ़ा गया (अगर खाना वगैरा है तो इस तरह से भी कहिए और जो कुछ खाना वगैरा पेश किया गया है) उसका सवाब हमारे नाकिस अमाल के लाएक नहीं बल्कि अपने करम के शयाने शान हम को अता फ़रमा और हमारे जानिब से हुजुर रहमतुल लील आलेमिन सल्लाहू अलेहे व सल्लम की बारगाह में नज़र पहुंचा. सरकारे मदीना सल्ललाहू अलेहे वसल्लम के तवस्सुल से तमाम अन्बिया ऐ किराम अलेहिमुस सलाम, तमाम सहाबा ऐ किराम अलैहिमुर रिजवान, तमाम औलिया ऐ इज़ाम की जनाब में इसका सवाब नज़र पहुंचा.सरकारे मदीना सल्ललाहू अलेहे व सल्लम के तवस्सुल से सेय्येदेना आदम सफियुल्लाह अला नबियिना व अलेहिससलातो व सल्लम से लेकर अब तक जितने इंसान व जिन्नात और मुसलमान हुए और क़यामत तक होंगे सब को इसका सवाब पहुंचा | बिल्खुसुस सिलसिला ऐ नक्शबंदिया मुजद्दीदिया अरमानिया के तमाम बुजुर्गों को इसका सवाब पहुंचा | इस दौरान बेहतर यह है की जिन जिन बुजुगों को खुसूसन इसाले सवाब करना है उनका भी नाम लेते जाए.अपने माँ बाप और अपने पीर व मुरशिद को भी नाम बा नाम इसाले सवाब कीजिए | और अगर वो हयात हैं तो उनकी सहतो सलामती व दराज़िये उम्र के लिए दुआ कीजिये | (अब जो भी दुआएं हो खुद के लिए और पूरी उम्मत के लिए उन्हें अल्लाह की बारगाह में पेश कर दें |)

आमीन सुम्मा आमीन | बिजाही सय्यिदिल मुरसलीन |

या रब्बल आलमीन | बी रह्मतिका या अरहमुर राहिमीन |

क़ालललाहू तआला फी शानि हबिबिहिल मुस्तफा इन्नल्लाहा व मलाइकतुहु युसल्लूना अलन नबी या अय्युहल लज़ीना आमनु सल्लू अलैहि व सल्लिमु तसलीमा |

अल्लाहुम्मा सल्ले अला सय्येदिना व मौलाना मुहम्मदिव व अला आलि सय्येदिना व मौलाना मुहम्मदिव व बारिक व सल्लिम सलातंव व सलामन अलैका या रसूलुल्लाह | सुब्हाना रब्बिका रब्बिल इज़्ज़ति अम्मा यसीफ़ून व सलामुन अलल मुरसलीन वल्हम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन |

सुबह के अज़कार

(हर एक को 100 -100 मर्तबा पढ़ना है |)

1. अस्तग़्फ़िरुल्लाह रब्बी मिन कुल्ली ज़ंबीउ व अतूबु इलैह
2. सल्लल्लाहु अला सैय्यदना मुहम्मद व अला आलिहि वसल्लम
3. ला हवला वला क़ुव्वता इल्ला बिल्लाह
4. हस्बुनल्लाहु व नेअमल वकील

शाम के अज़कार

(हर एक को 100 -100 मर्तबा पढ़ना है |)

1. अस्तग़्फ़िरुल्लाह रब्बी मिन कुल्ली ज़ंबीउ व अतूबु इलैह
2. ला इलाहा इलल्लाहु मुहम्मदुर्रसूलुल्लाह
3. सल्लल्लाहु अला सैय्यदना मुहम्मद व अला आलिहि वसल्लम
4. सुब्हानल्लाही वल हम्दु लिल्लाहि वला इलाहा इलल्लाहु वल्लाहु अकबर वला हौल वला कुव्वता इल्ला बिल्लाहिल अलिय्यील अज़ीम

याज़दह

यानी 11 कलिमात की इसितलाह और उसकी तशरीह | तरीका-ए-शरीफा की बुनियाद 11 मुबारक कलिमात पर है जिनको याज़दह कालिमात कहते हैं | इनमें से आठ तो ख्वाजा-ए -खवाज़गान हज़रत अब्दुल खालिक गज़दवानी कुदुससिररहु से मनकूल है बाकी तीन इमामुत तरीका सैयद बहाउद्दीन नक्शबंदी बुखारी कुदुससिररहु से है।

(1) **होश दर दम**: यानी होशियार होना सालिक का हर सांस के बारे में ताकि कोई साँस खुदा की याद से गफलत में ना निकले।

(2) **नजर बर कदम**: इसका मतलब यह है कि सालिक रास्ता चलते वक्त अपनी निगाह अपने पांव के पंजे पर जमाए रखे ।

(3) **सफर दर वतन**: इसका मतलब यह है कि सालिक सिफाते बशरिया से सिफाते मलकिया में और सिफाते मलकिया से सिफाते इलाहिया में सफर करें ।

(4) **खिलवत दर अंजुमन**: इससे मुराद है कि सालिक तमाम अवकात में खिलवत व जलवत, खाने-पीने चलने फिरने, बातचीत से अपना क़ल्ब अल्लाह तआला से मशगुल रखें ।

(5) **याद कर्द**: इसका मतलब जिक्र शरीफ के जरिए गफलत दूर करना है।

(6) **बाज़गश्त**: इसका मतलब यह है कि कुछ देर ज़िक्र शरीफ इसमें ज़ात का हो या नफी इसबात का हो करने के बाद चंद बार कमाले आ़जिज़ी व नियाज़मनदी के साथ अर्जो इल्तिजा करे कि इलाही तू ही मेरा मकसूद है तू ही मेरा मतलूब है तू मुझे अपनी मोहब्बत और मा़रिफत इनायत कर।

(7) **निगाह दाश्त**: इसका मतलब यह है कि ज़िक्र शरीफ से जो कैफियत आगाही और हुजूरी की पैदा हो उसकी हिफाजत करना इस तरह से की गैर हक का कोई ख्याल दिल में न रह पावे।

(8) **याददाश्त**: इससे मुराद है कि सालिक की तवज्जो हर वक्त बगैर अल्फ़ाज़-ओ- खयाल के बगैर चू-चरां के हमेशा हक सुबहानहू की तरफ रहे।।

(9) **वकूफे ज़मानी**: इसके दो मायने हैं पहला यह कि सालिक हर वक्त अपनी सांसो पर ध्यान रखें और दूसरा यह कि सालिक अपने अहवाल का हर वक्त ख्याल रखे। अच्छा हो तो शुक्र करे और बुरा हो तो तोबा व सब्र करें।

(10) **वकूफे अददी**: इसके माअनी है कि सांस रोक के ताक अदद में कुछ देर अल्लाह का जिक्र करना ।

(11) **वकुफ़े क़ल्बी**: इसका मतलब यह है कि काम में मशगूल रहने के बावजूद क़ल्ब को ज़िक्रूल्लाह में मशगूल रखना।

तवारीखे आअरास व मज़ार शरीफ

शिजरे में नंबर	नाम मुबारक	तारीखे विसाल	मज़ार शरीफ
1	नबी ए करीम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम	12 रबीउल अव्वल 11 हिजरी	हुजराए आयशा सिद्दीक़ा मदीना शरीफ
2	हज़रत सिद्दिके अकबर रज़ी.	22 जमादिल आखिर 13 हिजरी	रोज़ाऐ हुजुर अलैहिस्सलाम मदीना शरीफ
3	हज़रत सलमान फारसी रज़ी.	सन 35 हिजरी	रायन सफिनातुल औलिया बाकोना
4	हज़रत इमाम कासिम रज़ी.	माहे जमादिल अव्वल सन 107 हिजरी	मदीना मुनव्वरा

5	हज़रत इमाम जाफर सादिक रज़ी.	15 रज्ज़बुल मुरज्जब 148 हिजरी	जन्नतुल बकी, मदीना मुनव्वरा
6	हज़रत बायजीद बुस्तामी रज़ी.	14 शाबान मुअज़्ज़म 261 हिजरी	बुस्ताम, इराक़
7	हज़रत अबुलहसन खरकानी रज़ी.	15 रमज़ानुल मुबारक 235 हिजरी	खरकान, इराक़
8	हज़रत शाह वली बुअली रज़ी.	4 रबीउल अव्वल 477 हिजरी	करायतुस सफिनतुलऔलिया मुल्के खुरासान
9	हज़रत युसूफ हमदानी रज़ी.	27 रज्जबुल मुरज्जब 525 हिजरी	हैरात, हमदान
10	हज़रत अब्दुल खालिक गजद्वानी रज़ी.	12 रबीउल अव्वल 575 हिजरी	गजद्वान, बुखारा
11	हज़रत मोहम्मद आरिफ रज़ी.	शव्वाल 715 हिजरी	रेवगर, बुखारा
12	हज़रत ख्वाजा महमूद रज़ी.	12 रबीउल अव्वल 717 हिजरी	दरे मोज़आ, बुखारा
13	हज़रत अज़ीज़ाने अली रज़ी.	27 रमज़ानुल मुबारक 718 हिजरी	ख्वारिज्म, शरीफ
14	हज़रत बाबा समासी रज़ी.	16 रमज़ानुल मुबारक 772 हिजरी	समास, बुखारा शरीफ
15	हज़रत अमीरे कुलाल रज़ी.	15 जमादिल अव्वल 780 हिजरी	सौखार, बुखारा शरीफ
16	हज़रत बहाउद्दीन नक्शबंद रज़ी.	3 रबीउल अव्वल 791 हिजरी	कसरे आरिफीन, बुखारा
17	हज़रत शाह अलाउद्दीन रज़ी.	3 रज्जबुल मुरज्जब 802 हिजरी	जफानिया, हैरात

18	हज़रत याकूब चरखी रह.	5 सफरुल मुज़फ्फर 852 हिजरी	बलगुन, बुखारा शरीफ
19	हज़रत उबैद अहरार रज़ी.	29 रबीउल अव्वल 891 हिजरी	समरकंद, खुरासान
20	हज़रत ज़ाहिद वली रज़ी.	1 रबीउल अव्वल 949 हिजरी	वखस, बलख
21	हज़रत दरवेश मुहम्मद रज़ी.	19 मुहर्रमुल हराम 970 हिजरी	अस्फरार, खुरासान
22	हज़रत ख्वाजा अम्कन्गई रज़ी.	22 शाबान 1008 हिजरी	अम्कंग, बुखारा
23	हज़रत ख्वाजा बाक़ीबिल्लाह रज़ी.	25 जमादिल आखिर 1012हिजरी	क़दम मुबारक, देहली
24	हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रज़ी.	28 सफरुल मुज़फ्फर 1034 ह.	सरहिंद, पंजाब
25	हज़रत ख्वाजा मासूम रज़ी.	9 रबीउल अव्वल 1075 हिजरी	सरहिंद, पंजाब
26	हज़रत ख्वाजा सैफुद्दीन रज़ी.	19 जमादिल अव्वल 1095 हिजरी	सरहिंद, पंजाब
27	हज़रत ख्वाजा नूर मुहम्मद रज़ी.	11 ज़िल्कादा 1135 हिजरी	बदायूँ, उत्तर प्रदेश
28	हज़रत मिर्ज़ा मज़हर जानेजाना रज़ी.	10 मुहर्रमुल हराम 1195 हिजरी	तुर्कमन गेट, देहली
29	हज़रत ख्वाजा नईमुल्लाह रज़ी.	22 सफरुल मुज़फ्फर 1218 हि.	बहराइच, उत्तरप्रदेश
30	हज़रत मौलाना मुरादुल्लाह रज़ी.	ज़िलकादा 1228 हिजरी	लखनऊ, उत्तरप्रदेश

31	हज़रत अबुल हसन सईद रज़ी.	शाबान 1272 हिजरी	नसीराबाद, उत्तरप्रदेश
32	हज़रत सय्यद नियाज़ अली रज़ी.	22 ज़िलकादा 1310 हिजरी	इंदौर, मध्यप्रदेश
33	हज़रत सूफी वज़ीर रज़ी.	1 जमादिल अव्वल 1319	कसरावद, खरगोन, मध्यप्रदेश
34	हज़रत हाजी अब्दुल्लाह शाह रज़ी.	6 जमादिल अव्वल 1321 हिजरी	पानीपत, हरियाणा
35	हज़रत खैरुद्दीन मुजर्रद रज़ी.	12 रबीउल अव्वल 1324 हिजरी	चोपड़ा. महाराष्ट्र
36	हज़रत अब्दुर्रहमान सैलानी रह.	22 ज़िकादा 1326 हिजरी	चिकली बुल्ढाना महाराष्ट्र
37	हज़रत मुहम्मद मासूम अरमान रह.	5 ज़िल्कादा 1375 हिजरी	बालापुर, अकोला, महाराष्ट्र
38	हज़रत शरफुद्दीन अब्दाल रह.	22 सफ़र 1384 हिजरी	अमलनेर, महाराष्ट्र
39	हज़रत ऐनुद्दीन आरिफ रह.	16 शव्वाल 1410 हिजरी	बालापुर, अकोला, महाराष्ट्र
40	हज़रत सादिक अरमानी रह.	12 रज्जब 1443 हिजरी	बालापुर, अकोला, महाराष्ट्र
41	हज़रत मोहम्मद आज़म अहक़र रह.	25 ज़ीक़ादा 1444 हिजरी	इंदौर, मध्यप्रदेश

तूतियाए चश्म साज़म, ख़ाकपाए नक़्शबंद

ता बयाबम सिर्रे हक़ अज़ लुत्फ़ साये नक़्शबंद |

रू बदरगाहे बहाउद्दीं नज़र कुन जां कि हस्त

न फ़लक मानिंद, दरबां दर सराये नक़्शबंद |

मुश्किलाते मा हमा हरगिज़ नयायद दर अदद

अल मदद! या ख़्वाजाए मुश्किलकुशाए नक़्शबंद |

मुख़्तसर शिजरा मंज़ूम 🌹

शिजरा ए आलिया नक्शबंदिया मुजद्दिया नियाज़िया वज़ीरिया

रहम कर या रब जनाब ए मुस्तफ़ा ﷺ के वास्ते।
हजरते सिद्दिको सलमा बा सफा के वास्ते।।

हजरते क़ासिम इमाम ऐ जाफ़र ऐ सादिक़ वली।
बायजीद उस बादशाह ऐ औलिया के वास्ते।।

खिरकां के बुलहसन और फारमद के बूअली।
युसुफे हमदानी ऐ गोसे वरा के वास्ते।।

अब्दे ख़ालीक कुतबे आलम ख्वाजा आरिफ महवेजात।
ख़्वाजा ऐ महमूद महबूबे ख़ुदा के वास्ते।।

शह अज़िज़ा ख्वाजा बाबा ख्वाजा ऐ मीर कूलाल।
शाह बहाउद्दीन अल्लाउद्दीन हुदा के वास्ते।।

ख्वाजाए याकुब उबेदुल्लाहे अहरारे वली।
ख़्वाजा जाहिद और दरवेशे खुदा के वास्ते।।

ख़्वाजगी आरिफ़ व शाहे बाकी बिल्लाहे ईमाम।
और मुजददीद अल्फेसानी रहनुमा के वास्ते।।

ख़्वाजा-ए-मअसूमो सैफुउद्दीन नूरे अहमदी।
जानेजाना शाह नईमुल्लाह हुदा के वास्ते।।

शाह मुरादुल्लाह सईदे ख़ुशअदा सैय्यद नियाज़।
क़ुत्बुल अक़्ताब हज़रते सूफ़ी सफा के वास्ते।।

हाजी अब्दुल्लाह और मखदूम ख़ैरुद्दीन शाह।
बाबा ए सैलानी ओ अरमान शाह के वास्ते।

शाह शरफुद्दीन अली आरिफ़ व सादिक़ रहनुमा।
शाह आज़म अह्क़रे मुर्शिद हुदा के वास्ते।

या इलाहल आलमी कर ये दुआ मेरी कुबूल।
इश्क़ दे अपना मुझे इन औलिया के वास्ते।।

दीनो दुनिया में मुझे महफ़ूज़ रख इज्जत के साथ।
आलो असहाबे जनाबे मुस्तुफा के वास्ते।।

इस्तिक़ामत और ईमाने हक़ीक़ी दे मुझे।
पंजतन ओर चार यारे बा-वफ़ा के वास्ते।।

दिल की ज़ुल्मत दूर कर अनवार से मामूर कर।
सब फरिश्तों और जुमला अंबिया के वास्ते।।

ख़ातिमा बिल खैर कर मेरा मेरे माँ बाप का।
या इलाही अहले बदरो कर्बला के वास्ते।।

सब गुनाहों को मेरे और मोमिनो के कर मुआफ़।
अपनी अफओ रहमते बे इन्तिहा के वास्ते।।

या इलाही होवे मुर्शिद की दुआ ये मुस्तजाब।
क़ुर्ब दे अपना मुझे इन औलिया के वास्ते।।

सल्लल्लाहु तआला अला ख़ैरि ख़लकीही व नूरी अरशिहि सय्यिदिना व मौलाना मुहम्मदीऊँ व अला आलिहि व असहाबिहि व अज़्वाजिहि व ज़ुर्रियातिहि व अहले बैतिहि व अहबाबिहि व अरवाही तैय्येबातुन नक्शबंदियातिहि अजमईन |
बिरहमतिका या अरहमर राहीमीन |

बैअत नामा

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन | अस्सलातु वस्सलामु अलैका या सय्यिदिल मुरसलीन |

बाद हम्दो सना खुदावन्दे करीम के, दुरूदो सलाम हो मुर्शिदुल औलिया इमामुल अम्बिया रहमतुललिल आलमीन सल्ले अल्ला मुहम्मद मुस्तफा नूरे खुदा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर |

अर्ज़ीं मुन्दर्जा ज़ेलनाम के इस्म को शर्फे बैअत अता की जाती है |
बदस्ते फकीर: हज़रत पीरो मुर्शिद मुहम्मद आज़म नक्शबंदी अह्क़र

आज बरोज़:............... बतारीख़ .... बमाह..................
ब सन ....ईस्वी
आज बरोज़: .... बतारीख़ .... बमाह....................
ब सन ....हिजरी
बैअतेयाफ्त:.. ने

यदुल्लाहि फवका अयदिहीम पर इकरार करके सिलसिला ए नक्श्बंदिया मुजद्दीदिया मुजर्रिदिया के बैअत से मुशर्रफ हुआ/ हुई |
अल्लाह सादिकुल यकीन से राज़ी हो और इन्हें सिराते मुस्तकीम पर चलने की तौफीक अता फ़रमाये और इन्हें दीनो दुनियावी दौलत से मालामाल करें |
आमीन सुम्मा आमीन |

पता : ....
....

मुहर दस्तख़त